सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 222 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 21 सितम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

मैं सही निर्णय लेने में विश्वास नहीं करता। मैं निर्णय लेता हूं और फिर उन्हें सही साबित कर देता हूं।

-रतन टाटा

मेरी कोई इच्छा नहीं, चाहता हूं विपक्षी पार्टियां... 2 | मिशन 2024: नयी रणनीति के साथ... 3 | जब कोरोना की लहर थी तब नेता... 7

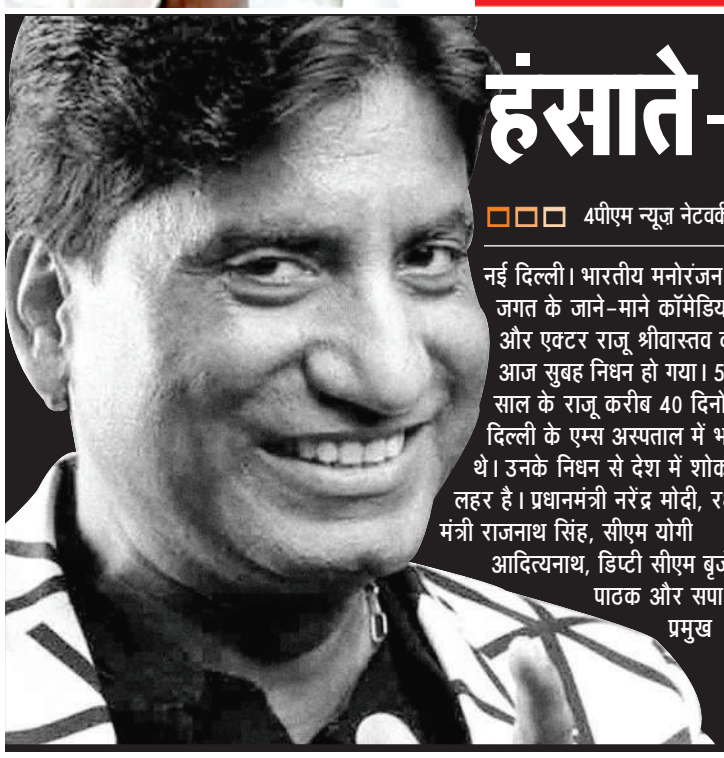

हंसाते-हंसाते रुला गए राजू श्रीवास्तव

» एम्स में ली आखिरी सांस, चालीस दिनों से थे भर्ती, शोक की लहर

» पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीएम योगी व अखिलेश यादव ने जताया दुख

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय मनोरंजन जगत के जाने-माने कॉमेडियन और एक्टर राजू श्रीवास्तव का आज सुबह निधन हो गया। 58 साल के राजू करीब 40 दिनों से दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन से देश में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत तमाम हस्तियों ने उनके निधन पर दुख जताया है।

10 अगस्त को दिल्ली के एक होटल में जिम में एक्सरसाइज करते हुए राजू श्रीवास्तव गिर पड़े थे। उन्हें कार्डियक अरेस्ट हुआ था, जिसके बाद एम्स में भर्ती करवाया गया था। राजू डॉक्टरों की निगरानी में लगातार वेंटिलेटर पर थे। उनकी तबीयत में उतार-चढ़ाव होता रहा था मगर होश नहीं आया। राजू अपने पीछे एक बेटी और एक बेटा छोड़ गये हैं। राजू भारतीय मनोरंजन इंडस्ट्री में स्टैंडअप कॉमेडी के पुरोधा माने जाते थे। उन्होंने फिल्मों के साथ टीवी और कॉमेडी शोज में खूब काम किया था। राजू श्रीवास्तव के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर शोक जताया है। उन्होंने लिखा, राजू श्रीवास्तव ने हंसी, हास्य और सकारात्मकता के साथ हमारे जीवन को रोशन किया था। वे हमें एक गहरा सदमा देकर गए हैं लेकिन सालों तक अपने काम की बदौलत लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे। फिल्म जगत की तमाम हस्तियों ने उनके निधन पर दुख जताया है।

विधान सभा में दी गई श्रद्धांजलि

विधान सभा में राजू श्रीवास्तव को श्रद्धांजलि दी गई। विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने राजू श्रीवास्तव के निधन की सूचना देते हुए उन्हें कॉमेडी किंग बताया। सदन में दो मिनट का मौन भी रखा गया।

विधान सभा में गूंजा आजम का मुद्दा, अखिलेश बोले

जौहर यूनिवर्सिटी की ऐसे हो रही जांच जैसे रखे हों बम

» प्रश्नकाल से पहले नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को घेरा

» सपा विधायक पहुंचे वेल में, जमकर की नारेबाजी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन आज सदन में आजम खां की जौहर यूनिवर्सिटी की जांच का मुद्दा गूंजा। वहीं रालोद विधायकों ने गन्ना किसानों को लेकर हंगामा किया और सदन से वॉक आउट कर गए।

सदन में प्रश्नकाल से पहले नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने आजम खां की जौहर यूनिवर्सिटी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी की ऐसे जांच हो रही है, जैसे वहां बम रखे हों। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वहां कुछ भी रखा जा सकता है। उन्होंने विधान सभा अध्यक्ष से कहा कि सदन के बहुत ही वरिष्ठ नेता आजम खां की यूनिवर्सिटी को घेर लिया गया और ये पहली बार नहीं घेरा गया है। अध्यक्ष महोदय, लगातार घेरा जा रहा है और इस बार तो तैयारी ये है कि कहीं कुछ ऐसा न हो जाए जैसे एक बम रख दिया या फिर एके-47 रख दी। हो सकता है कि आजम खां के यहां ये सब झूठी चीजें रख दी जाएं और मुकदमा दर्ज कर लिया जाए। इस पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। इसी दौरान आजम खां के खिलाफ दर्ज मुकदमों के मामले में सपा विधायक वेल में आ गए और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सपा नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार आजम का उत्पीड़न कर रही है। नेताओं ने सभी मुकदमों को वापस लेने की मांग की। वहीं गन्ना किसानों के मुद्दे को लेकर रालोद के विधायकों ने सदन में हंगामा करने के बाद वॉक आउट किया।

फोटो: सुमित कुमार

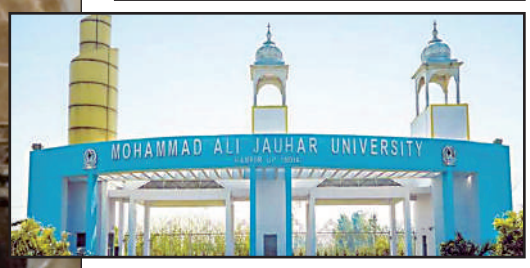

क्या है मामला

मंगलवार को पुलिस ने जौहर यूनिवर्सिटी के अन्दर जमीन की खुदाई की थी। खुदाई में जमीन के अंदर करोड़ों रूपए की नगर निगम की सफाई मशीन टुकड़ों में मिली थी। बताया जा रहा है कि इस मशीन को टुकड़ों में करके जमीन के अंदर गाड़ दिया गया था। पुलिस ने जौहर यूनिवर्सिटी के कैम्पस के अंदर एक बिल्डिंग की दीवार तोड़कर पुरानी किताबों का जखीरा भी बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक इसमें कई बहुमूल्य पांडुलिपियां शामिल हैं। पुलिस ने मामले में अब तक आधा दर्जन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ने को तैयार गहलोत

» राहुल गांधी को मनाने कोच्चि जाएंगे राजस्थान के मुख्यमंत्री

» पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से करेंगे मुलाकात

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी के समर्थन में उठती आवाजों के बीच शशि थरूर के बाद राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी कांग्रेस अध्यक्ष पद पर अपनी दावेदारी पेश कर दी है। गहलोत ने कह दिया है कि वह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनाव लड़ने को तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने एक बार फिर राहुल गांधी से यह पद स्वीकार करने की अपील की है लेकिन यह भी कहा कि पार्टी उन्हें जो भी जिम्मेदारी देगी उसके लिए तैयार हैं। गहलोत दावेदारी पर अंतिम मुहर से पहले कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने के लिए दिल्ली पहुंचे हैं।

गहलोत ने कहा कि वह कोच्चि जाकर राहुल गांधी को इस बात के लिए मनाने का आखिरी प्रयास करेंगे कि वह पार्टी अध्यक्ष का पद संभालें। उनका कहना था कि राहुल गांधी से बातचीत करने के बाद ही वह तय करेंगे कि आगे क्या करना है। गहलोत ने कहा कि मुझे कांग्रेस की सेवा करनी है। जहां भी मेरा उपयोग है, मैं वहां तैयार रहूंगा अगर पार्टी को लगता है कि मेरी मुख्यमंत्री के रूप में जरूरत है या अध्यक्ष के रूप में ज्यादा जरूरत है तो मैं मना नहीं कर पाऊंगा। गहलोत ने कहा, अगर मेरा बस चले तो मैं किसी पद पर नहीं रहूं। मैं राहुल गांधी के साथ सड़क पर उतरूं और फासीवादी लोगों के खिलाफ मोर्चा खोलूं। मुझे पार्टी ने सब कुछ दिया है, आज अगर पार्टी संकट में है तो इनके (भाजपा के) कारनामों के कारण है, कोई हमारी गलतियों से नहीं है। आज जो स्थिति है उसमें कांग्रेस का मजबूत होना जरूरी है। कांग्रेस की मजबूती के लिए जहां जरूरत होगी, वहां मैं खड़ा रहूंगा। मैं कोच्चि जाऊंगा और आखिरी बार राहुल गांधी को मनाने का प्रयास करूंगा।

जब कोरोना की लहर थी तब नेता प्रतिपक्ष कहां थे : सीएम योगी

» विधानसभा में विपक्ष ने सरकार को घेरा, कहा कि सरकार चर्चा स्वीकार करे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के विधानसभा सत्र के दूसरे दिन नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव योगी सरकार को घेरने में नाकाम रहे। सदन में अखिलेश अपनी ही बातों में घिरते नजर आए। नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्हें कई सबक दे डाले। योगी बोले-नेता प्रतिपक्ष अव्वल तो जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ सदन में तथ्य रखें और आम जनमानस को गुमराह करने वाली बातें न कहें। दरअसल, सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने सीतापुर में एक बच्चे के उपचार न मिलने के मुद्दे पर मानवाधिकार आयोग द्वारा नोटिस दिए जाने का हवाला देते हुए प्रदेश में ध्वस्त हो रही स्वास्थ्य सेवाओं का मुद्दा उठाया।

अखिलेश ने मांगी की कि सभी नियमों को शिथिल करते हुए नियम-311 के तहत स्वास्थ्य के मुद्दे पर चर्चा की जाए। इस पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कड़ी आपत्ति जताते हुए अखिलेश यादव से पूछ किया कि वह बताएं कि किस नियम को शिथिल किया जाए और नियम-311 की क्या परिभाषा है। इस सवाल पर अटके अखिलेश यादव के समर्थन में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने बचाव करते हुए कहा कि सभी नियमों को शिथिल कर जनहित के मुद्दे पर चर्चा जरूरी है। इसे विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा स्वीकार न किए जाने पर सपा के सभी सदस्य वेल में उतर आए। सपा सदस्य जोरदार नारेबाजी करते रहे और कहा कि सरकार चर्चा स्वीकार करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव लोगों को भ्रमित करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि नेता प्रतिपक्ष कहां थे जब कोरोना की लहर थी। तब तो एक बार भी घर से नहीं निकले और लोगों को वैक्सीन न लगाने के लिए भ्रमित कर रहे थे। कहा था कि वैक्सीन नहीं लगवाएंगे। अखिलेश तो लोगों में दुष्प्रचार कर नकारात्मक माहौल बनाते थे। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के दिशा-निर्देशन में डबल इंजन की सरकार ने 38 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाई और लोगों के जीवन की रक्षा की। सरकार ने स्वास्थ्य व शिक्षा में बेहतरीन काम किया है। प्रदेश में पहली बार मेडिकल यूनिवर्सिटी बन रही है। आयुष विश्वविद्यालय बन रहा है। साथ ही स्पोर्टस यूनिवर्सिटी भी बन रही है। सपा सरकरा में तो हर व्यवस्था का अवमूल्यन हुआ था किसी की अववृद्धि नहीं हुई। इस दौरान सत्ता पक्ष के सदस्य मेजे थपथपाते हुए योगी का जोरदार समर्थन करते रहे। एक-दो बार तो जयश्रीराम के नारे भी लगाए गए। अखिलेश अपनी बात रखते हुए बार-बार नेता सदन मुख्यमंत्री की ओर इशारा कर रहे थे और टिप्पणियां कर रहे थे। सदन में नियमत: विधानसभा अध्यक्ष की ओर देखकर बोलने की व्यवस्था है। योगी ने इसी पर तंज किया। योगी बोले-चार बार सपा की प्रदेश में सरकार रही इन्होंने क्या किया। अगर ऐसी ही होता रहा तो कोई भी समाजवादी पार्टी को सही नजरिये से नहीं देखेगा। योगी ने कहा कि जब सपने तार-तार होते हैं तो दुख होता है और अखिलेश यादव की बातों में ऐसा ही झलक रहा था यह स्वभाविक भी है।

अखिलेश और मुलायम के खिलाफ अभद्र टिप्पणी, वीडियो वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व संरक्षक मुलायम सिंह यादव के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करते हुए सोशल मीडिया पर मंगलवार को वायरल वीडियो से सपा नेताओं के आक्रोश का कारण बन गया। नाराज सपाइयों ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वायरल वीडियो के बारे में हो रही तरह-तरह की चर्चाओं से इलाके में तनाव है।

मंगलवार को सपा के निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष जीतलाल यादव उर्फ पप्पू यादव समर्थकों के साथ पट्टी कोतवाली पहुंचे। कुछ देर बाद सपाई पट्टी क्षेत्राधिकारी कार्यालय पहुंचकर विरोध जताने लगे। पुलिस अफसरों को बताया गया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व पूर्व रक्षामंत्री के ऊपर अभद्र टिप्पणी की गई है। यह काम किसी ने पार्टी के शीर्ष नेताओं की छवि खराब करने के लिए साजिश के तहत किया है। उन पर कार्रवाई की जाए। सपाइयों के विरोध को देखते हुए सीओ दिलीप सिंह के आदेश पर पट्टी पुलिस ने नारायनपुर के रहने सोनू शर्मा के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। मुकदमा दर्ज होने के बाद ही सपा नेता कोतवाली से वापस हुए।

निषादों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने पर हुई बात : संजय निषाद

» मझवार आरक्षण को लेकर संजय निषाद भी मिले मुख्यमंत्री से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने राजभर बिरादरी को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर जहां योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। वहीं संजय निषाद ने भी मझवार आरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की। राजभर ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री इस मांग से सहमत हो गए हैं और जल्द ही इस संबंध में केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

ओम प्रकाश ने मुलाकात के बाद कहा कि मुख्यमंत्री ने राजभर बिरादरी को अनुसूचित जनजाति में सूचीबद्ध कराने का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजने के लिए समाज कल्याण विभाग को निर्देशित कर दिया है। राजभर ने बताया कि प्रदेश में राजभर बिरादरी को पिछड़े वर्ग में शामिल किया गया है, जबकि महाराष्ट्र,

छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में राजभर बिरादरी को अनुसूचित जनजाति में रखा गया है। उत्तर प्रदेश में भी इस बिरादरी को बहुत जल्द अनुसूचित जनजाति का लाभ मिलने लगेगा। उधर, निषाद पार्टी के अध्यक्ष व मत्स्य मंत्री डा. संजय निषाद ने मंगलवार शाम मझवार आरक्षण को लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान निषादों पर दर्ज मुकदमें वापस लेने पर भी बात हुई। मंत्री ने बताया कि मझवार आरक्षण पर जल्द ही निर्णय हो जाएगा।

राम नगरी अयोध्या में खुलेगा पर्यटन थाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। आगरा की तरह रामनगरी में भी पर्यटन पुलिस देखने को मिलेगी। इसके लिए यहां भी पर्यटन पुलिस थाना की स्थापना होगी। अयोध्या आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए यह व्यवस्था की जाएगी। पर्यटन पुलिस थाना खोलने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। एसएसपी प्रशांत वर्मा की निगरानी में इस प्रक्रिया को गति प्रदान की जा रही है। अयोध्या में बढ़ती पर्यटकों की संख्या को दृष्टिगत रखते हुए पर्यटन पुलिस थाना आवश्यक माना जा रहा है। भूमि की उपलब्ध सुनिश्चित कराने के लिए प्रशासन स्तर पर वार्ता भी चल रही है। केंद्र एवं प्रदेश की सरकार रामनगरी को पर्यटन नगरी के तौर पर निखार रही हैं। राममंदिर निर्माण की बेला में ही यहां देश-विदेश के श्रद्धालु एवं पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। राममंदिर निर्माण के उपरांत, यहां संख्या और तेजी से बढ़ेगी। ऐसे में पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर भी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। राममंदिर सहित उससे सटे क्षेत्र की सुरक्षा एवं निगरानी के लिए नया सिक्योरिटी प्लान सीआईएसएफ तैयार कर रही है। इसी के साथ पर्यटन पुलिस थाना खोलने की दिशा में भी कवायद तेज है। एसएसपी प्रशांत वर्मा ने बताया कि रामनगरी में पर्यटन पुलिस थाना खोलने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। पर्यटन थाने में तैनात पुलिस कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। कई भाषाओं का ज्ञान उन्हें दिलाया जाएगा, ताकि हिंदी का ज्ञान न रखने वाले पर्यटकों से भी बातचीत में सरलता हो सके।

पिछड़े समाज के लिए काम कर रहे हैं सीएम योगी : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ कर कहा कि वो पिछड़े समाज के लिए काम कर रहे हैं। राजभर ने मंगलवार देर रात मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सपा ने पिछड़े समाज का ध्यान नहीं रखा है जबकि मुख्यमंत्री योगी सही काम कर रहे हैं। उन्होंने राजभर व भर जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की अपील की है।

राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को निशाने पर लिया और कहा कि अखिलेश ने पिछड़े समाज के लिए कुछ नहीं किया। राजभर की पार्टी सुभासपा ने सपा के साथ मिलकर यूपी का विधानसभा चुनाव लड़ा था। सपा को हार मिलने के बाद वह उनसे अलग हो गए और अखिलेश यादव पर तल्ख टिप्पणियां की थी। राजभर ने कहा था कि अखिलेश यादव एसी कमरों के बाहर

नहीं निकलते हैं जबकि राजनीति ऐसे नहीं हो सकती है। जिस पर अखिलेश यादव ने भी कहा था कि जिसे जाना हो वो जा सकता है। राजभर ने राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार द्रोपदी मुर्मू के पक्ष में मतदान किया था जबकि सपा ने संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा का समर्थन किया था। यहीं से सपा व सुभासपा के रास्ते अलग हो गए और राजभर अखिलेश पर तल्ख टिप्पणियां करने लगे। अब वह खुलकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ कर रहे हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

वापस होंगी वक्फ में दर्ज सरकारी जमीन 33 साल पुराना कांग्रेसी आदेश रद्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने 33 साल पुराना आदेश रद्द करते हुए वक्फ में दर्ज सरकारी जमीन का परीक्षण करने का आदेश दिया है। अगर कोई सार्वजनिक जमीन वक्फ संपत्ति में दर्ज कर ली गई थी, तो उसे रद्द कर दिया जाएगा और वह राजस्व विभाग में मूल स्वरूप में दर्ज की जाएगी। सरकार के इस आदेश के परिप्रेक्ष्य में अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ अनुभाग के उप सचिव शकील अहमद सिद्दीकी ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर इस तरह के सभी भूखंडों की सूचना एक माह में मांगी है। साथ ही अभिलेखों को भी दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं।

मालूम हो कि 07 अप्रैल, 1989 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने एक आदेश जारी किया था। इसमें कहा गया था कि यदि सामान्य संपत्ति बंजर, भीटा, ऊसर आदि भूमि का इस्तेमाल वक्फ (मसलन कब्रिस्तान,

मस्जिद, ईदगाह) के रूप में किया जा रहा हो तो उसे वक्फ संपत्ति के रूप में ही दर्ज कर दिया जाए। इसके बाद उसका सीमांकन किया जाए। इस आदेश के तहत प्रदेश में लाखों हेक्टेयर बंजर, भीटा, ऊसर भूमि वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज कर ली गईं। अब प्रदेश सरकार का कहना है कि इन संपत्तियों के स्वरूप अथवा प्रबंधन में किया गया परिवर्तन राजस्व कानूनों के विपरीत है। बीते माह राजस्व परिषद के प्रमुख सचिव सुधीर गर्ग ने शासनादेश जारी कर कांग्रेस शासनकाल में जारी आदेश को समाप्त कर दस्तावेजों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे।

मिशन 2024 : नयी रणनीति के साथ सियासी मैदान में उतरी सपा

महंगाई, बेरोजगारी समेत तमाम मुद्दों पर सदन से सड़क तक घेर रहे सरकार को

» प्रदेश सरकार पर लगातार हमलावर हैं सपा प्रमुख अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में शिकस्त के बाद अब सपा की नजर लोक सभा चुनाव पर गड़ गयी है। सपा प्रदेश की अस्सी लोक सभा सीटों पर पूरे दम-खम के साथ चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। इसके लिए अभी से सपा प्रमुख अखिलेश यादव नयी रणनीति के साथ मैदान में उतर गए हैं। वे सदन से लेकर सड़क तक भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। यही नहीं पार्टी ने अक्टूबर में प्रदेश में आंदोलन चलाने की भी तैयारी कर ली है।

एसी कमरे से राजनीति करने का आरोप झेल रहे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर अपनी रणनीति में बदलाव किया है। इस बार वे सड़क पर उतरकर संघर्ष करते दिख रहे हैं। यही वजह है कि पिछले एक हफ्ते में उन्होंने राजधानी में दो बड़े कार्यक्रम किए। यह दीगर है कि अपनी मंशा के मुताबिक वे उतने कामयाब भले न दिखें हों लेकिन सुर्खियों में रहे हैं। सड़क से सदन तक अपने कार्यकर्ताओं व विधायकों में जोश भरने में जुटे अखिलेश खुद मैदान में हैं। सोमवार को उन्होंने पदयात्रा और धरना का आयोजन एक साथ कर दिया। यही नहीं सपा ने विधान सभा की बैठक सड़क पर लगा कर उसमें नाटकीयता का पुट भी दे दिया। इसके पहले मुलायम सिंह भी इस तरह विधान सभा लगाने की सियासत कर चुके हैं। वह अचानक कार्यक्रम बदल कर साइकिल चला कर हजरतगंज पहुंच कर चौंका देते थे। कुछ उसी तर्ज पर इस बार अखिलेश ने पहले चार दिन तक लगातार विधायकों के जरिए विधानभवन परिषद में धरना देने का आयोजन रखा। पहले दिन सुबह सपा विधायक अपने घरों में नजरबंद कर लिए गए और बाहर नहीं निकल पाए। परिसर में वह आयोजन तो नहीं हो पाया लेकिन उसकी चर्चा खूब हुई। इसके बाद अखिलेश ने सपा कार्यालय से विधान भवन तक पदयात्रा करने की योजना बनाई। पुलिस प्रशासन ने उन्हें दूसरे रूट से जाने का कहा। सपाइयों को मौका मिल गया सड़क पर धरना प्रदर्शन करने का। आसानी से विधायक मार्च कर विधानसभा पहुंच जाते तो शायद उन्हें सरकार को इस तरह घेरने का मौका नहीं मिलता। एक विधायक के निधन पर सड़क पर सदन की बैठक लगाकर उन्हें श्रद्धांजलि देकर भी अखिलेश ने संदेश देने की कोशिश की।

आंदोलन की तैयारी

अब सपा अक्टूबर से प्रदेश भर में आंदोलन की तैयारी कर रही है। इससे पहले राज्य सम्मेलन व राष्ट्रीय सम्मेलन कर राज्य कार्यकारिणी व राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन कर संगठन को नये रूप देने काम भी हो जाएगा।

सदन में दिया गया धरना

सपा विधायकों ने मानसून सत्र के दूसरे दिन भी विभिन्न मांगों को लेकर विधान सभा परिसर में धरना दिया और जनता को संदेश देने की कोशिश की।

राजभर के खिलाफ पोस्टर वार, अपनों ने ही खोला मोर्चा

समता पार्टी के संयोजक ने पोस्टर जारी कर ओपी राजभर को बताया ठग

» सुभासपा प्रमुख ने राजभरों सहित सबको ठगा, 27 सितंबर को नहीं आने देंगे बनारस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर को अपनों ने ही घेर लिया है। राजभर के अपनों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर के बेहद करीबी रहे शशि प्रताप सिंह अब उनके खिलाफ सड़क पर उतर गए हैं। राष्ट्रीय समता पार्टी के संयोजक शशि प्रताप सिंह ने वाराणसी में मंगलवार को पोस्टर जारी कर ओम प्रकाश को ठग घोषित किया। उन्होंने कहा कि ओम प्रकाश राजभर ने राजभरों के साथ ही पिछड़ों, शोषितों और वंचितों को ठगने के अलावा कुछ नहीं किया है। पूर्वांचल में ठगी के बाद अब वह बिहार के लोगों को ठगने की जुगत में लगे हुए हैं। शशि प्रताप सिंह ने कहा कि आगामी 27 सितंबर को कार्यक्रम के लिए आ रहे ओम प्रकाश राजभर को बनारस में घुसने नहीं देंगे।

जिस सड़क से ओम प्रकाश राजभर आएंगे उस पर हमारे कार्यकर्ता काला झंडा और ठग राजभर का पोस्टर लेकर उन्हें घेरेंगे। यदि वह मंच पर पुलिस की मदद से पहुंच भी गए तो उन्हें भाषण नहीं देने देंगे। बनारस को ठग कर वह बलिया चले गए। ऐसे ठग नेता की बनारस और पूर्वांचल के लोगों को जरूरत नहीं है। अब राजभर समाज के लोग ही ओम प्रकाश राजभर की असलियत को जन-जन के बीच उजागर करेंगे। परिवारवादी और भ्रष्टाचारी ओम प्रकाश राजभर व उनके बेटे पूर्वांचल के साथ ही बिहार में भी बुरी तरह असफल साबित होंगे। उधर, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विधायक ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव के बर्ताव पर सवाल खड़ा करते हुए आरोप लगाया है कि वह चाहते हैं कि उनका परिवार एक साथ नहीं रहे। इतना ही नहीं, उन्होंने अखिलेश यादव की पैदल यात्रा को नौटंकी बताया। विधान सभा चुनावों के दौरान अखिलेश को उत्तर प्रदेश का भविष्य बताने वाले राजभर इन दिनों खासे नाराज चल रहे हैं। प्रदेश में बुरी तरह से हारने के बाद उन्होंने इसका ठीकरा अखिलेश के सिर पर फोड़ा था। यादव परिवार के भीतर चल रही उठापटक पर टिप्पणी करते हुए राजभर ने कहा कि दरअसल अखिलेश यादव नहीं चाहते कि उनका परिवार एक होकर रहे। उन्होंने कहा कि शिवपाल सिंह यादव ने बहुत कोशिश की कि परिवार एक हो जाए लेकिन अखिलेश उनके साथ रहना ही नहीं चाहते। प्रगतिशील पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल यादव को अग्रणी पंक्ति के नेता बताते हुए उन्होंने कहा था कि अखिलेश को उनके लिए आगे कुर्सी देने की बात करनी चाहिए थी। बताते चलें कि अखिलेश यादव की चिट्ठी पिछले दिनों सामने आई थी। जहां उन्होंने चाचा के लिए अगली पंक्ति में सीट की मांग रखी है। विधानसभा अध्यक्ष ने इसे तकनीकी कारण बताते हुए खारिज कर दिया था। इस पर टिप्पणी करते हुए शिवपाल ने कहा कि हमें जो सीट अलॉट की गई है, उसी पर बैठेंगे यदि यह मांग करनी थी तो पहले की जानी चाहिए थी।

ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे राजभर ने ठगा नहीं

शशि प्रताप सिंह ने कहा कि ओम प्रकाश राजभर और उनके बेटे कहते हैं कि जो हमारी पार्टी से निकल गया वह दगा हुआ कारतूस है। कारतूस के लिए बंदूक कहां से आई? उनके पास बंदूक मऊ सदर विधायक के पास से आई है। मऊ सदर विधायक एक लाइसेंस पर चार बंदूक खरीदने के आरोपी हैं और इस समय भगोड़ा घोषित हैं। उन चार बंदूक में एक विधायक के पास है। बाकी तीन बंदूक में से एक जहूराबाद के ठग विधायक के पास और दो उनके दोनों बेटों के पास है। ऐसा कोई सगा नहीं है जिसको राजभर ने ठगा नहीं है। बीते विधान सभा चुनाव में जिस तरह से पैसा लेकर राजभर ने टिकट बांटा था वह सब जानते हैं।

ईडी और सीबीआई का डर है राजभर को

शशि प्रताप सिंह ने कहा कि बीते 6 साल में ओम प्रकाश राजभर ने बनारस से लेकर बलिया तक अकूत संपत्ति बनाई है। ईडी और सीबीआई जांच के डर से ओम प्रकाश राजभर और उनके बेटों को नींद नहीं आती है। वह समझते हैं कि सरकार ने उन्हें सुरक्षा दी है। वह यह नहीं जानते हैं कि सुरक्षा में तैनात सरकार के लोग उनकी अकूत संपत्ति के स्रोत के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। पुख्ता प्रमाण हाथ लगते ही ओम प्रकाश राजभर और उनके बेटों का हश्र देखिएगा। अखिलेश यादव को नसीहत देने के सवाल पर शशि प्रताप सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष के सामने ओम प्रकाश राजभर चीटी हैं। ऐसा परिवारवादी, धृतराष्ट्र, ठग राजभर भला अखिलेश यादव को क्या घेरेंगे। राजभर समाज भी अब राजभर की असलियत जान गया है और अब कोई उनके झांसे में नहीं आने वाला है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बेहतर चिकित्सा के दावे और हकीकत

“ सरकार के तमाम दावों के बावजूद यूपी की चिकित्सा सेवाओं में सुधार होता नहीं दिख रहा है। सरकारी अस्पताल आज भी चिकित्सकों, दवाओं और आधुनिक जांच उपकरणों की कमी से जूझ रहे हैं। जांच के लिए मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। वहीं विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के कारण गंभीर रोगों के मरीजों को बेहतर इलाज नहीं मिल पा रहा है।

सरकार के तमाम दावों के बावजूद यूपी की चिकित्सा सेवाओं में सुधार होता नहीं दिख रहा है। सरकारी अस्पताल आज भी चिकित्सकों, दवाओं और आधुनिक जांच उपकरणों की कमी से जूझ रहे हैं। जांच के लिए मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। वहीं विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के कारण गंभीर रोगों के मरीजों को बेहतर इलाज नहीं मिल पा रहा है। सवाल यह है कि अस्पतालों की व्यवस्था में सुधार क्यों नहीं हो रहा है? वर्षों से चिकित्सकों और अन्य मेडिकल स्टाफ के सैकड़ों पद खाली क्यों पड़े हैं? क्या महज मेडिकल कॉलेज खोल देने भर से आम आदमी को बेहतर इलाज मिल जाएगा? जांच उपकरणों की पर्याप्त व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है? प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शो पीस बनकर क्यों रह गए हैं? क्या आम आदमी को बेहतर इलाज उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है?

प्रदेश में कई सरकारें आईं और गईं लेकिन यहां की सरकारी चिकित्सा व्यवस्था आज तक बेहतर नहीं हो सकी। सबकुछ बने बनाए ढर्रे पर चल रहा है। हालांकि कोरोना काल में सरकार ने कुछ प्रयत्न जरूर किए। हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने का लक्ष्य तय किया और कुछ जिलों में इन्हें खोल भी दिया गया लेकिन यह नाकाफी है क्योंकि असली स्वास्थ्य केंद्र यानी अस्पतालों पर आज भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मसलन, लखनऊ में जिला अस्पताल से लेकर यहां के नामचीन सरकारी अस्पताल तक विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी से जूझ रहे हैं। यहां तमाम पद खाली पड़े हैं। अस्पतालों में मरीजों की तुलना में पर्याप्त दवाइयां और जांच उपकरण उपलब्ध नहीं हैं। इसके कारण मरीजों को जांच के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। इसके कारण गरीबों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है क्योंकि वे निजी अस्पतालों में महंगा इलाज नहीं करा सकते हैं। अधिकांश अस्पतालों में बर्न यूनिट नहीं है। सरकार के आदेशों के बावजूद प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सक्रिय नहीं है। ये टीकाकरण केंद्र बनकर रह गए हैं। यहां चिकित्सक उपलब्ध नहीं होते हैं। लिहाजा ग्रामीण इलाकों के लोगों को इलाज के लिए लखनऊ के जिला व अन्य सरकारी अस्पतालों में जाना पड़ता है। इसके कारण अस्पतालों में मरीजों की भीड़ अधिक हो जाती है और एक-एक डॉक्टर को प्रतिदिन तीन से चार सौ तक मरीजों को देखना पड़ता है। जाहिर है यदि सरकार लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध करना चाहती है तो उसे अस्पतालों को पर्याप्त संसाधनों से लैस करना होगा। चिकित्सा बजट बढ़ाना होगा। साथ ही चिकित्सकों की तैनाती करनी होगी अन्यथा दावे हकीकत नहीं बन सकेंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विकसित राष्ट्र के लिए स्व का भाव जरूरी

प्रह्लाद सबनानी

किसी भी देश में सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए स्व आधारित सामूहिक दृष्टिकोण होना आवश्यक है। भारत में स्व आधारित इतिहास मिलता है। महर्षि श्री अरबिंदो ने कहा भी था कि स्व आधारित स्वतंत्रता संग्राम को हमारे जीवन के सभी क्षेत्रों में ले जाने की आवश्यकता है। 1498 में वास्को डिगामा पुर्तगाल से कालिकट में व्यापार करने नहीं आया था बल्कि वह सम्भवत: ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार करने के लिए आया था। अंग्रेजों के बारे में भी कहा जाता है कि वे व्यापार के लिए आए थे पर शायद उनका भी अप्रत्यक्ष कार्यक्रम भारत में ईसाइयत फैलाना था वरना वे पादरियों को साथ क्यों लाए थे? स्वतंत्रता संग्राम की मूल प्रेरणा भी स्व का भाव ही थी। यह युद्ध भी स्व के लिए ही था। इसलिए आज स्व के भाव को समाज में ले जाने के प्रयास हम सभी को करने चाहिए। देश के इतिहास को कैसे बदला जाता है और इसका समाज पर कैसा प्रभाव पड़ता है यह भारत की स्थिति में स्पष्ट रूप से उभर कर सामने आता है।

भारत के बारे में अंग्रेज कहते थे कि भारत एक देश नहीं है बल्कि यह टुकड़ों में बटां कई राज्यों का एक समूह है, क्योंकि यहां के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों पर अलग अलग राजाओं का राज्य स्थापित था। अंग्रेज कहते थे कि उन्होंने इन राजाओं को एक किया और भारत को एक देश बनाया जबकि देश के विभिन्न भूभाग पर अलग-अलग राजा राज्य जरूर करते थे परंतु वे स्व के भाव को लेकर भारत को एक महान शक्ति बनाए हुए थे। देश के नागरिकों में नकारात्मक भाव विकसित करने वाले व्यक्ति, देश के नागरिकों का मानसिक और बौद्धिक विनाश करते हैं और ऐसा अंग्रेजों ने भारत में किया था। ब्रिटिश शासन काल में अंग्रेजों ने जाति और साम्प्रदायिक चेतना को उकसाते हुए प्रतिक्रियावादी ताकतों की मदद की थी। ईस्ट इंडिया कंपनी के शासनकाल में पश्चिमी सभ्यता के आगमन के फलस्वरूप ईसाई मिशनरियों की गतिविधियां सक्रिय रूप में व्यापक हो गई थीं। ये मिशनरियां ईसाइयत को श्रेष्ठ धर्म के रूप में मानती थीं और पश्चिमीकरण के माध्यम से वे भारत में इसका प्रसार करना चाहती थीं, जो उनके अनुसार धर्म, संस्कृति और भारतीयता के स्व में यहां के मूल निवासियों के विश्वास को नष्ट कर देगा। इन्होंने साम्राज्यवादियों का भी समर्थन किया क्योंकि उनके प्रसार के लिए कानून और व्यवस्था एवं ब्रिटिश वर्चस्व का बना रहना आवश्यक था। भारतीय नागरिकों में जब-जब स्व की प्रेरणा जागी है तब-तब भारत जीता है।

वर्ष 1911 में बंगाल में एक प्रेजीडेन्सी के विभाजन किए जाने के विरुद्ध पूरा भारत एक साथ उठ खड़ा हुआ था जबकि 1947 में भारत के विभाजन को रोकने ने लिए संघर्ष क्यों नहीं हुआ। क्योंकि इस खंडकाल में भारत में नागरिकों के स्व के भाव को व्यवस्थित तरीके से अंग्रेजों ने कमजोर कर दिया था। अंग्रेजों ने सोची समझी रणनीति के अंतर्गत मुस्लिम अतिवादी संगठनों, जैसे मुस्लिम लीग आदि को बढ़ावा दिया। कांग्रेस का झुकाव भी मुस्लिमों की ओर होता चला गया। वर्ष 1923 आते-आते कांग्रेस ने वन्दे मातरम गीत को अपने विभिन्न आयोजनों से बाहर कर दिया। नेताजी सुभाषचंद्र बोस को कांग्रेस में अप्रासंगिक बना दिया गया। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरबिंदो, वीर सावरकर आदि जिन्होंने भारत के नागरिकों में स्व के भाव को जगाया था उनके योगदान को भी व्यवस्थित तरीके से भुला दिया गया। भारत को भाषाई आधार पर भी विभिन्न टुकड़ों में बांटने के प्रयास हुए। दुर्भाग्य से भारत, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी, अपने नागरिकों में स्व का भाव जगाने में असफल रहा है क्योंकि भारत में जिस प्रकार की नीतियों को लागू किया गया उससे देश के नागरिकों में देशप्रेम की भावना बलवती नहीं हो पाई एवं स्व का भाव विकसित ही नहीं हो पाया।

भारत में अब स्व पर आधारित दृष्टिकोण को लागू करने की सख्त आवश्यकता है। जापान, इजरायल, ब्रिटेन, जर्मनी आदि देशों ने भी अपने नागरिकों में स्व का भाव जगाकर ही अपने आपको विकसित देशों की श्रेणी में ला खड़ा किया है। अत: भारत को यदि पुन: विश्व गुरु बनना है तो अपने नागरिकों में स्व का भाव जगाना ही होगा। भारत की स्वतंत्रता के 25 वर्ष पूर्ण होने पर देश में इंदिरा गांधी की सरकार ने संभवत: किसी प्रकार का भव्य कार्यक्रम आयोजित नहीं किया था। इसी प्रकार भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष पूर्ण होने पर श्री नरसिंहराव की सरकार ने भी सम्भवत: किसी भव्य कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया था। परंतु अब स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व में ही भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अब भारतीय विदेशों में भी भारत माता का नमन करने लगे हैं। धीमे धीमे ही सही भारतीयों में स्व की भावना जागृत हो रही है। नागरिकों में अपने पैरों पर खड़ा होने का भाव जागा है। इसके चलते भारत अब विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर हुआ है।

तेल रिसाव से गुस्साते समुद्र

पंकज चतुर्वेदी

इसी साल मई में गोवा के कई समुद्र तट तैलीय 'कार्सिनोजेनिक टारबॉल' के कारण चिपचिपा रहे थे। गोवा में 2015 के बाद 33 ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। टारबॉल काले-भूरे रंग के चिपचिपे गोले होते हैं, जिनका आकार फुटबॉल से लेकर सिक्के तक होता है। ये समुद्र तट की रेत को भी चिपचिपा बना देते हैं और इनसे बदबू भी आती है। इससे पर्यटन तो प्रभावित होता ही है, मछली पालन से जुड़े लोगों की रोजी-रोटी पर भी बन आती है। इसका कारण है समुद्र में तेल या कच्चे तेल का रिसाव। कई बार यह गुजरने वाले जहाजों से होता है और इसका बड़ा कारण विभिन्न स्थानों पर समुद्र की गहराई से कच्चा तेल निकालने वाले संयंत्र भी हैं। वैसे भी अत्यधिक पर्यटन और अनियंत्रित मछली पकड़ने के ट्रोलर समुद्र को लगातार तैलीय बना ही रहे हैं।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी (एनआईओ) ने एक हालिया अध्ययन में देश के पश्चिमी तट पर तेल रिसाव के लिए दोषी तीन मुख्य स्थानों की पहचान की है। इनसे निकलने वाला तेल पश्चिमी और दक्षिण पश्चिमी भारत के गोवा के अलावा महाराष्ट्र व कर्नाटक के समुद्र तटों को प्रदूषित करने के लिए जिम्मेदार हो सकता है। इस शोध में सिफारिश की गयी है कि मैनुअल क्लस्टरिंग पद्धति अपना कर इन अज्ञात तेल रिसाव कारकों का पता लगाया जा सकता है। गुजरात के प्राचीन समुद्र तट, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक मोड़ और गुजरात पश्चिमी तट पर सबसे व्यस्त अंतरराष्ट्रीय समुद्र जलीय मार्ग हैं, जो तेल रिसाव के कारण गंभीर पारिस्थितिकीय संकट के शिकार हो रहे हैं। सबसे चिंता की बात यह है कि तेल रिसाव की मार समुद्र के संवेदनशील हिस्से यानी कछुआ प्रजनन स्थल, मैंग्रोव, कोरल रीफ्स (प्रवाल भित्तियां) जैसे स्थान में ज्यादा है। मनोहर पर्रिकर के मुख्यमंत्रित्व काल में गोवा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा तैयार योजना में कहा गया था कि गोवा के तटीय क्षेत्रों में अनूठी वनस्पतियों और जीवों का ठिकाना है। इस रिपोर्ट में तेल के बहाव के कारण प्रवासी पक्षियों पर विषम असर की भी चर्चा थी। पता नहीं, इतनी महत्वपूर्ण रिपोर्ट कहां गुम हो गयी और तेल के मार से बेहाल समुद्र तटों का दायरा बढ़ता गया।

वर्ष 2017 से 2020 (मार्च-मई) तक हासिल किये गये आंकड़ों के अध्ययन से पता चला कि तेल फैलाव के तीन मुख्य क्षेत्र हैं। जहाज से होने वाला तेल रिसाव जोन एक (गुजरात से आगे) और तीन (कर्नाटक और केरल से आगे) तथा जोन दो, जो महाराष्ट्र से आगे है। यह तेल उत्खनन के कारण हैं। समुद्र में तेल रिसाव की सबसे बड़ी मार उसके जीव जगत पर पड़ती है। व्हेल, डॉल्फिन जैसे जीव अपना पारंपरिक स्थान छोड़ कर पलायन करते हैं तो जल निधि की गहराई में पाये जाने वाले छोटे पौधों, नन्हीं मछलियों, मूंगा जैसी संरचनाओं को स्थायी नुकसान होता है। कई समुद्री पक्षी मछली पकड़ने नीचे आते है और उनके पंखों में तेल चिपक जाता है। वे फिर उड़ नहीं पाते और तड़प-तड़प कर उनके प्राण निकल जाते हैं।

चक्रवात प्रभावित इलाकों में तेल लहरों के साथ धरती पर जाता है और यहां की मछलियां खाने से इंसान कई गंभीर रोगों का शिकार होता है। तेल रिसाव का सबसे प्रतिकूल प्रभाव तो समुद्री जल तापमान में वृद्धि है, जो जलवायु परिवर्तन के दौर में धरती के अस्तित्व को बड़ा खतरा है। सनद रहे, ग्लोबल वार्मिंग से उपजी गर्मी का 93 फीसदी हिस्सा समुद्र पहले तो उदरस्थ कर लेते हैं, फिर जब उन्हें उगलते हैं, तो कई व्याधियां पैदा होती हैं। 'असेसमेंट ऑफ क्लाइमेट चेंज ओवर द इंडियन रीजन' रिपोर्ट भारत द्वारा तैयार ऐसा पहला दस्तावेज है, जो देश को जलवायु परिवर्तन के संभावित खतरों के प्रति आगाह करता है व सुझाव भी देता है। यह समझना आसान है कि जब समुद्र की ऊपरी सतह पर ज्वलनशील तेल की परत दूर तक होगी, तो ऐसे जल का तापमान निश्चित ही बढ़ेगा। यह रिपोर्ट बताती है कि हिंद महासागर की समुद्री सतह पर तापमान में 1951-2015 के दौरान औसतन एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है, जो इसी अवधि में वैश्विक औसत एसएसटी वार्मिंग से 0.7 डिग्री सेल्सियस अधिक है। समुद्री सतह के अधिक गर्म होने के चलते उत्तरी हिंद महासागर में जल स्तर 1874-2004 के दौरान प्रति वर्ष 1.06-1.75 मिलीमीटर की दर से बढ़ गया है और पिछले ढाई दशकों (1993-2017) में 3.3 मिलीमीटर प्रति वर्ष तक बढ़ गया है।

सागर की विशालता व निर्मलता मानव जीवन को काफी हद तक प्रभावित करती है। इस तथ्य से हम लगभग अनभिज्ञ हैं। पृथ्वी के मौसम और वातावरण में नियमित बदलाव का काफी कुछ दारोमदार समुद्र पर ही होता है। जान लें, समुद्र के पर्यावरणीय चक्र में जल के साथ-साथ उसका प्रवाह, गहराई में एल्गी की जमावट, तापमान, जलचर जैसी कई बातें शामिल हैं व एक के भी गड़बड़ होने पर समुद्र के कोप से मानव जाति बच नहीं पायेगी। समुद्र से तेल निकालना और परिवहन भले ही आज आकर्षित कर रहा है लेकिन इससे समुद्र के कोप का बढ़ना धरती के अस्तित्व के लिए चुनौती है।

प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को ऐसे करें बैलेंस

कई बार कामकाजी जीवन उनके रिश्ते और परिवार में बाधा भी बन जाता है. प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को बैलेंस करना जरूरी है. जो लोग ऐसा करने में नाकाम हो जाते हैं, उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

लाइफ एंजॉय करने के लिए प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों का ठीक ढंग से चलना बेहद जरूरी है। वर्तमान में लोग प्रोफेशनल लाइफ में इस कदर उलझ गए हैं कि उनकी पर्सनल लाइफ प्रभावित हो रही है। कई बार कामकाजी जीवन उनके रिश्ते और परिवार में बाधा भी बन जाता है। प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को बैलेंस करना जरूरी है। जो लोग ऐसा करने में नाकाम हो जाते हैं उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लाइफ को ईजीगोइंग बनाने के लिए मैजेजमेंट और समझदारी की आवश्यकता होती है। यदि सभी कामों की सही प्लानिंग की जाए तो प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लाइफ को बैलेंस किया जा सकता है। लाइफ को बैलेंस करने के आसान टिप्स जान लीजिए।

टाइम को करें मैनेज

प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लाइफ के बीच बैलेंस बनाने में अहम भूमिका निभाता है टाइम मैनेजमेंट। वेरीवैल माइंड डॉट कॉम के अनुसार प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को ईजी बनाने के लिए टाइम टेबल के अनुसार काम को मैनेज किया जा सकता है। खासकर महिलाओं को प्रोफेशनल काम के चक्कर में कई घरेलू जिम्मदारियों को छोड़ना पड़ जाता है। ऐसे में जरूरी है कि टाइम के अनुसार चीजों को प्राथमिकता दें। जैसे ऑफिस का काम शुरू करने से पहले घर के सभी जरूरी कार्यों को निपटा सकती हैं। इससे ऑफिस के बीच में घर के काम करने से बचा जा सकता है।

बनाएं डेली शेड्यूल घर और ऑफिस के काम सही ढंग से पूरे हो पाएं इसके लिए निश्चित डेली शेड्यूल बनाया जा सकता है। इसके तरत सुबह से रात तक के कामों को प्राथमिकता के अनुसार रखा जाना चाहिए। जैसे खाने, सोने, वॉक करने, ऑफिस का काम और घर के कामों का शेड्यूल फिक्स होना चाहिए जिससे समय पर सभी कामों को निपटाया जा सके।

कुछ समय का लें ब्रेक

कई बार जिम्मेदारियों को निभाने के चक्कर में खुद के लिए वक्त ही नहीं मिल पाता। ऐसे में कुछ समय के लिए ब्रेक लेना भी जरूरी होता है। ब्रेक लेने से प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को मैनेज करने के बारे में प्लानिंग की जा सकती है साथ ही माइंड को फ्रेश किया जा सकता है। क्योंकि तनावमुक्त व्यक्ति ही बेहतर मैनेजमेंट कर सकता है।

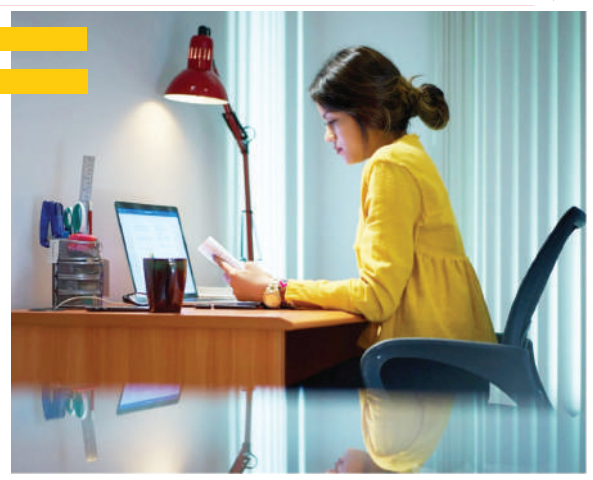

ले सकते हैं मदद

प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बीच बैलेंस बनाए रखने के लिए किसी दूसरे की मदद ली जा सकती है। महिला या पुरुष जो भी घर और बाहर की जिम्मेदारी निभाते हैं उन्हें हेल्पिंग हैंड की मदद लेनी चाहिए। घर में हेल्पिंग हैंड या केयर टेकर होने से कई काम आसान हो सकते हैं और घर में किसी काम को लेकर तनाव भी नहीं होगा। यदि हेल्पिंग हैंड की सुविधा न हो तो घर के सदस्यों के बीच काम को बांटा जा सकता है। ऐसे में घर और ऑफिस दोनों के कामों को सुचारू ढंग से खत्म किया जा सकता है।

हंसना मना है

संता अपनी गर्लफ्रेंड पम्मी को नए नंबर से फोन लगाता है। संता- हैलो जान कैसी हो, I Miss you so much लड़की- तू चिंटू बोल रहा है न? संता- अरे वाह, मेरी आवाज़ से ही पहचान लिया... लड़की-तेरे पापा का नाम हीरालाल ही है न संता- चौंककर हां, बिलकुल सही लड़की- और तेरे दादा का नाम बनवारीलाल है? पप्पू- अरे लगता है तू मेरी दीवानी हो गयी है, मेरी पूरी डिटेल रखने लगी है तू लड़की- अबे गधे मैं तेरी मां बोल रही हूं, संता- मजाक क्यों कर रही हो पम्मी उधर से आवाज आती है अरे बेवकूफ तूने पम्मी की जगह गलती से मम्मी का नंबर लगा दिया है। तू घर आ फिर बताती हुं तुझे...

प्रेमिका (प्रेमी से)- अरे बाबा, जल्दी खिड़की से कूदो पापा आ रहे हैं। प्रेमी- लेकिन यह तो 13वीं मंजिल ह! प्रेमिका- अरे, यह शगुन-अपशगुन सोचने का वक्त नहीं है!

चिंटू ने कंडक्टर से पूछा- आप कितने घंटे बस में रहते हो? कंडक्टर- जी 24 घंटे। चिंटू- वो कैसे? कंडक्टर- देखिये, 8 घंटे तो सिटी बस में रहता हूं और बाकी के 16 घंटे बीवी के बस में रहता हूं।

बेटा- मम्मी, तुम्हारे लिए मेरी क्या कीमत है? मां- बेटा तू तो करोड़ों का है... बेटा- तो उसी करोड़ों मे से 25000 रुपये देना, गोवा घूमने जाना है! फिर मां ने की चप्पलों की बरसात।

कहानी — चार मूर्ख पंडित

एक स्थान पर चार ब्राह्मण रहते थे। चारों विद्याभ्यास के लिये कान्यकुब्ज गये। निरंतर 12 वर्ष तक विद्या पढ़ने के बाद वे सम्पूर्ण शास्त्रों के पारंगत विद्वान् हो गये, किन्तु व्यवहार-बुद्धि से चारों खाली थे। विद्याभ्यास के बाद चारों स्वदेश के लिये लौट पड़े। कुछ देर चलने के बाद रास्ता दो ओर फटता था। 'किस मार्ग से जाना चाहिये,' इसका कोई भी निश्चय न करने पर वे वहीं बैठ गये। इसी समय वहां से एक मृत वैश्य बालक की अर्थी निकली। अर्थी के साथ बहुत से महाजन भी थे। महाजन नाम से उनमें से एक को कुछ याद आ गया। उसने पुस्तक के पन्ने पलटकर देखा तो लिखा था-महाजनो येन गतः स पन्थाः अर्थात् जिस मार्ग से महाजन जाये, वही मार्ग है। पुस्तक में लिखे को ब्रह्म-वाक्य मानने वाले चारों पंडित महाजनों के पीछे-पीछे श्मशान की ओर चल पड़े। थोड़ी दूर पर श्मशान में उन्होंने एक गधे को खड़ा हुआ देखा। गधे को देखते ही उन्हें शास्त्र की यह बात याद आ गई राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठित् स बान्धवः-अर्थात् राजद्वार और श्मशान में जो खड़ा हो, वह भाई होता है। फिर क्या था, चारों ने उस श्मशान में खड़े गधे को भाई बना लिया। कोई उसके गले से लिपट गया, तो कोई उसके पैर धोने लगा। इतने में एक ऊंट उधर से गुज़रा। उसे देखकर सब विचार में पड़ गये कि यह कौन है। 12 वर्ष तक विद्यालय की चारदीवारी में रहते हुए उन्हें पुस्तकों के अतिरिक्त संसार की किसी वस्तु का ज्ञान नहीं था। ऊंट को वेग से भागते हुए देखकर उनमें से एक को पुस्तक में लिखा यह वाक्य याद आ गया-धर्मस्य त्वरिता गतिःअर्थात् धर्म की गति में बड़ा वेग होता है। उन्हें निश्चय हो गया कि वेग से जाने वाली यह वस्तु अवश्य धर्म है। उसी समय उनमें से एक को याद आया- इष्टं धर्मेण योजयेत्-अर्थात् धर्म का संयोग इष्ट से करादे। उनकी समझ में इष्ट बान्धव था गधा और ऊँट या धर्म; दोनों का संयोग कराना उन्होंने शास्त्रोक्त मान लिया। बस, खींचखांच कर उन्होंने ऊंट के गले में गधा बाँध दिया। वह गधा एक धोबी का था। उसे पता लगा तो वह भागा हुआ आया। उसे अपनी ओर आता देखकर चारों शास्त्र-पारंगत पंडित वहाँ से भाग खड़े हुए। थोड़ी दूर पर एक नदी थी। नदी में पलाश का एक पत्ता तैरता हुआ आ रहा था। इसे देखते ही उनमें से एक को याद आ गया-आगमिष्यति यत्पत्रं तदस्मांस्तारयिष्यति अर्थात् जो पत्ता तैरता हुआ आयगा, वही हमारा उद्धार करेगा। उद्धार की इच्छा से वह मूर्ख पंडित पत्ते पर लेट गया। पत्ता पानी में डूब गया तो वह भी डूबने लगा। केवल उसकी शिक्षा पानी से बाहिर रह गई। इसी तरह बहते-बहते जब वह दूसरे मूर्ख पंडित के पास पहुंचा तो उसे एक और शास्त्रोक्त वाक्य याद आ गया-सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्धं त्यजति पंडितः-अर्थात् सम्पूर्ण का नाश होते देखकर आधे को बचाले और आधे का त्याग कर दे। यह याद आते ही उसने बहते हुए पूरे आदमी का आधा भाग बचाने के लिये उसकी शिखा पक?कर गरदन काट दी । उसके हाथ में केवल सिर का हिस्सा आ गया। देह पानी में बह गई। उन चार के अब तीन रह गये। गांव पहुंचने पर तीनों को अलग-अलग घरों में ठहराया गया। वहां उन्हें जब भोजन दिया गया तो एक ने सेमियों को यह कहकर छोड़ दिया-दीर्घसूत्री विनश्यति-अर्थात् दीर्घ तन्तु वाली वस्तु नष्ट हो जाती है। दूसरे को रोटियां दी गईं तो उसे याद आ गया-अतिविस्तारविस्तीर्णं तद्भवेन्न चिरायुषम् अर्थात् बहुत फैली हुई वस्तु आयु को घटाती है। तीसरे को छिद्र वाली वटिका दी गयी तो उसे याद आ गया- 'छिद्रेष्वनर्था बहुली भवन्ति'-अर्थात् छिद्र वाली वस्तु में बहुत अनर्थ होते हैं। परिणाम यह हुआ कि तीनों की जगहंसाई हुई और तीनों भूखे भी रहे।

सीखः व्यवहार-बुद्धि के बिना पंडित भी मूर्ख ही रहते हैं। व्यवहार बुद्धि भी एक ही होती है। सैकड़ों बुद्धियां रखने वाला सदा डांवाडोल रहता है ।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष दुविधा के चलते आप असमंजस में फंस सकते हैं। नए करार फायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक लाभ नहीं पहुंचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाजी में निर्णय न लें।

वृषभ आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको किसी व्यक्ति से कुछ नया करने की प्रेरणा मिल सकती है। आप जो भी नया काम शुरू करेंगे, उसमें सफलता जरुर मिलेगी।

मिथुन अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की जरूरत है। विरोधी व प्रतिद्वंदी नरम पड़ेंगे। मित्रों से सहयोग लेना पड़ सकता है।

कर्क अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीके से इस्तेमाल करें तो वह काफी फायदेमंद साबित होगी। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे।

सिंह आज दूसरों पर अपनी राय न थोपें। नए लोगों से आपकी दोस्ती हो सकती है। पैसों के मामलों में आप थो?ी चिंता कर सकते हैं। आज कोई काम करने में हड़बड़ी ना करें।

कन्या आज यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फायदेमंद होगी। कभी कभी वैवाहिक जीवन वाकई काफी खीझ पैदा कर सकता है लगता है कि आपके लिए कुछ कुछ वैसा ही दिन है।

तुला सकारात्मक सोच और हालात के उजले पहलू को देखना आपको इससे बचा सकता है। आकस्मिक मुनाफे के जरिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। घरेलू जिंदगी सुकूनभरी और खुशगुमा रहेगी।

वृश्चिक आज आपका दिन शानदार रहेगा। सरकारी ऑफिस में फंसा हुआ काम आज पूरा हो सकता है। किसी बड़े अधिकारी का सहयोग भी मिलेगा। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा।

धनु आज का दिन भावनात्मक रहेगा। आपको अपने अंतरतम की भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थति भी आ सकती है। घरेलू काम थका देने वाला होगा।

मकर यात्रा आपको थकान और तनाव देगी लेकिन आर्थिक तौर पर फायदेमंद साबित होगी। आपको बच्चों या खुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की जरूरत है।

कुम्भ आप अपनी बात और काम करने के तरीके से लोगों को प्रभावित करने की कोशिश करेंगे। बिजनेस के सिलसिले में यात्रा पर जा सकते हैं, ये यात्रा आपके लिए फायदेमंद साबित होगी।

मीन आज का दिन भाग दौड़ भरा हो सकता है। आज आपको घर वालों व मित्रों के नकारात्मक स्वभाव को लेकर आपको थोड़ा सतर्क रहना चाहिए। स्वजनों के साथ भेंट करने से मन आनंदित हो जायेगा।

बॉलीवुड | मसाला

48 साल की उम्र में भी गजब के फिट दिखते हैं ऋतिक रोशन

ऋतिक रोशन के डांस, एक्टिंग और फिटनेस का हर कोई कायल है। अभिनेता इंडस्ट्री के सबसे फिट अभिनेताओं में से एक हैं और खुद को फिट रखने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। 48 साल की उम्र में भी अभिनेता अपनी फिटनेस से हर किसी को मात देते हैं। वहीं, वह सोशल मीडिया के माध्यम से अपने फैंस के साथ अपनी फिटनेस टिप्स शेयर करते रहते हैं। ऋतिक अपने फैंस के लिए इंस्पिरेशन हैं और ऐसे में वह अभिनेता का फिटनेस सीक्रेट भी जानना चाहता हैं। तो चलिए बताते हैं आपको अभिनेता का फिटनेस सीक्रेट जिसे फॉलो कर आप भी फिट हो सकते हैं। ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी फिल्म विक्रम वेधा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। वहीं, अभिनेता हर फिल्म में अपनी बॉडी पर भी बहुत मेहनत करते हैं। अभिनेता की मस्कुलर फिजीक के लिए उनके फिटनेस ट्रेनर उनकी डाइट और वर्कआउट पर काफी ध्यान देते हैं। फिटनेस के लिए अभिनेता की डेडीकेशन और मोटिवेशन ही उनका सीक्रेट है। इसके अलावा वह अपनी डाइट पर काफी ध्यान देते हैं और कभी बाहर भी जाते हैं, तो उनका कुक भी साथ जाता है। कुक उनकी डाइट के हिसाब से खाना देता है और वह पार्टियों से भी दूर रहते हैं। ऋतिक रोशन सबसे पहले एक से डेढ़ घंटे तक वॉर्म अप करते हैं, जितना समय किसी का पूरा वर्कआउट सेशन होता है, उनता अभिनेता खुद की बॉडी को वॉर्म करने में ही लगाते हैं। इतना वॉर्मअप करने से चोट लगने के चांस बहुत कम रहते हैं और मोबिलिटी भी बढ़ जाती है। वॉर्मअप और वर्कआउट लगभग ढाई घंटे तक करने के बाद वह स्ट्रेचिंग करते हैं। शाम को वेट ट्रेनिंग के दौरान वह अपने दो बॉडी पार्ट्स पर फोकस रखते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार ऋतिक रोशन की डाइट उनके फिल्मों के कैरेक्टर के हिसाब से बदलती रहती है। अभिनेता के फिटनेस ट्रेनर के एक इंटरव्यू के दौरान विक्रम वेधा स्टार अभी नॉर्मल डाइट ले रहे हैं और मस्कुलर बॉडी के लिए वह हाई प्रोटीन और हाई कार्ब डाइट लेते हैं। ऋतिक रोशन ब्रेकफास्ट में 8 अंडों के साथ दो मल्टीग्रेन टोस्ट और एक अवोकाडो लेते हैं।

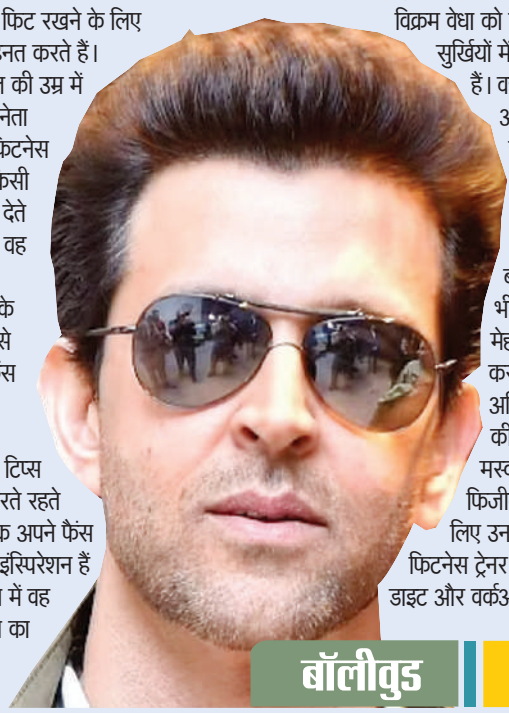

बॉलीवुड | मन की बात

ऐश्वर्या से शादी के बाद बदल गई मेरी लाइफ : अभिषेक

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन का एक पुराना इंटरव्यू काफी चर्चा में है। इसमें अभिषेक से बातचीत के दौरान पूछा जाता है कि वो क्या चीज है, जो उन्होंने अपनी पत्नी ऐश्वर्या से सीखी है। तो इसके जवाब में वो ऐश्वर्या की तारीफ करते हुए कहते हैं कि उन्होंने लाइफ में ऐश्वर्या से बहुत कुछ सीखा है। साथ ही वो ये भी कहते हैं कि ऐश्वर्या की वजह से उनके अंदर एक अलग तरह का कॉन्फिडेंस आया है। अभिषेक ने इस बारे में बात करते हुए कहा था ऐश्वर्या से शादी करने के बाद मेरे अंदर अलग तरह का कॉन्फिडेंस आया, जो पहले नहीं था। मैं पहले घर का लाडला था, मेरी बहन की शादी हो गई जो कि मेरे लिए बहुत प्रोटेक्टिव थीं। मेरे ऊपर कभी कोई जिम्मेदारी नहीं थी, लेकिन शादी के बाद सब अपने आप हो गया। मुझे अंदर से महसूस हुआ कि मुझे इस इंसान के लिए जिम्मेदार बनना है, मुझे इसे प्रोटेक्ट करना है और इसकी केयर करनी है। ऐश्वर्या ने मुझे लाइफ को नॉर्मल तरीके से जीना भी सिखाया है। अभिषेक ने कहा था देखिए, इतने प्यार और शोहरत के बीच पैर फिसलना आसान है, लेकिन मैं जमीन से जुड़ा रहा और इसका क्रेडिट मेरे पेरेंट्स के साथ-साथ ऐश्वर्या को भी जाता है। ये सब कुछ कभी मेरे सिर के ऊपर नहीं चढ़ा। मैं किसके साथ रहता हूं- अमिताभ और जया बच्चन। लेकिन न ऐश्वर्या ने किसी चीज का घमंड किया और न मुझे होने दिया। ऐश्वर्या और अभिषेक की शादी 20 अप्रैल, 2007 में हुई थी। अभिषेक ने एक इंटरव्यू में बताया था कि टोरंटो में जनवरी 2007 में फिल्म गुरू के प्रीमियर के बाद, होटल की बालकनी में उन्होंने ऐश्वर्या को प्रपोज किया था। कपल के वर्कफ्रंट की बात करें तो ऐश्वर्या जल्द ही मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन में नजर आने वाली हैं। वहीं अभिषेक की बात करें तो वो फिल्म घूमर में दिखाई देने वाले हैं।

सलमान ने बढ़ाई जैकलीन से दूरी

मनी लॉन्ड्रिंग केस में जैकलीन फर्नांडीज की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पिछले 6 दिनों के अंदर उनसे दिल्ली पुलिस की ईओडब्ल्यू दो बार पूछताछ कर चुकी है। हाल ही में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक मनी लॉन्ड्रिंग केस में नाम आने से जैकलीन के दोस्त और सुपरस्टार सलमान खान ने दूरियां बढ़ा ली हैं। बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान हमेशा अपने दोस्तों के मुश्किल समय में साथ रहते हैं, लेकिन जैकलीन के मामले में उन्होंने दूरी बना ली है। दरअसल, सलमान खान अब किसी नई कॉन्ट्रोवर्सी में नहीं फंसना चाहते हैं। पहले से ही उनके कुछ मामले कोर्ट में चल रहे हैं। इसीलिए उन्होंने अपनी दोस्त जैकलीन से दूरी बढ़ाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान ने जैकलीन को सुकेश से दूर रहने की भी सलाह दी थी। सोमवार को जैकलीन से ईओडब्ल्यू ने करीब 7 घंटे तक पूछताछ की। इसमें उनसे सुकेश चंद्रशेखर के साथ रिलेशन, सुकेश से महंगे गिफ्ट क्यों मिले?, सुकेश से कितनी बार मुलाकात की और उसे कब से जानती थीं? जैसे अहम सवाल किए गए। इसके पहले 14 सितंबर को उनसे करीब 8 घंटे तक सवाल-जवाब हुए थे। सुकेश ने एक्ट्रेस को एस्पुएला नाम का एक 50 लाख का घोड़ा और 9-9 लाख रुपए की बिल्लियां गिफ्ट की थीं। गुच्ची के 3 डिजाइनर बैग, गुच्ची के 2 जिम वियर, लुई विटॉन के एक जोड़ी शूज, हीरे की दो जोड़ी बालियां, माणिक का एक ब्रेसलेट, दो हेमीज ब्रेसलेट और एक मिनी कूपर कार दी थी। बता दें कि सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े केस में सबसे पहले दिल्ली पुलिस में एफआईआर दर्ज हुई थी। उस एफआईआर पर दिल्ली ईओडब्ल्यू ने अगस्त में जांच शुरू की।

यहां 1560 फीट ऊंचे पहाड़ से गिरता है आग का झरना, दूर-दूर से देखने आते हैं लोग

यह दुनिया रहस्यों से भरी हुई है। यहां कई ऐसी अद्भुत चीजें हैं, जिन्हें देखने के बाद लोग हैरत में पड़ जाते हैं। ऐसा ही रहस्यमयी झरना भी है। आपने दुनियाभर में कई झरने देखे होंगे। झरने दिखने में बहुत खूबसूरत लगते हैं लेकिन आज हम आपको एक ऐसे झरने के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में जानकर आपके होश उड़ जाएंगे। दरअसल इस झरने में से पानी नहीं आग गिरती है। इस झरने को देखकर ऐसा ही लगता है कि जैसे इसमें से पानी की जगह आग गिर रही है। यह झरना कैलिफोर्निया के योसेमिटी नेशनल पार्क में है। यह झरना 1560 फीट ऊंचे पहाड़ से गिरता है। इसे देखने दूर दूर से लोग आते हैं। यह अद्भुत झरना कैप्टन माउंटेन से गिरता है। इस अद्भुत झरने को फायरफॉल भी कहा जाता है, जिसका मतलब होता है आग का झरना। दूर-दूर से लोग इस झरने का नजारा देखने आते हैं। लोग इस हैरान कर देने वाले नजारे को अपने कैमरे में कैद कर ले जाते हैं। बता दें कि इस झरने में फरवरी के आखिरी हफ्ते में अलग ही नजारा देखने को मिलता है। इस झरने को जो भी देखता है हैरान रह जाता है और उसकी कुछ तस्वीरें उतारने में जरा सी भी देरी नहीं करता। यह देखने में बेहद खूबसूरत लगता है। हर साल फरवरी के अंत में इस झरने से गिरता हुआ पानी आग के समान लगता है.। बता दें कि इस झरने से गिरने वाला पानी आग की तरह ही दिखाई देता है लेकिन यह आग नहीं पानी ही है। दरअसल, सूर्यास्त के आसपास यह झरना इस तरह के रंग बदलने लग जाता है। इसी के साथ सूर्यास्त पहाड़ी की दूसरी ओर होता है इसका मतलब है कि बिल्कुल पीछे जिससे उसकी रोशनी पानी में बिखर जाती है और पानी में ऐसे दिखाई देता है मानों ये कोई आग का झरना हो।

अजब-गजब | आज तक कोई नहीं लगा पाया इनका पता

तिब्बत के इन पहाड़ों में छिपे हैं अनगिनत रहस्य

दुनिया के सबसे ऊचें पर्वत हिमालय की पर तमाम ऐसी चोटियां मौजूद जो अपने आप में रहस्यमयी है। इन्हीं में से एक है कैलाश पर्वत जो आज भी पश्चिमी देशों के लिए रहस्य बना हुआ है। कैलाश पर्वत 6600 मीटर ऊंचा है। प्राचीन काल से ही माउंट कैलाश काफी विख्यात रहा है। कैलाश पर्वत पर कई ऐसे रहस्य हैं जिनके विषय में आज भी लोग कम ही जानते हैं। इन रहस्यों को जानने के लिए श्रद्धालु आज भी उत्सुक रहते हैं। कैलाश पर्वत को भगवान शिव का निवास स्थान माना जाता है। जो सिंधु, ब्रह्मपुत्र, गंगा की सहायक नदियों के पास है। ऐसा माना जाता है की कैलाश पर्वत हिमालय का केंद्र है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, यह धरती का केंद्र है। बता दें कि कैलाश पर्वत दुनिया के 4 धर्मों- हिन्दू, जैन, बौद्ध और सिख धर्म का भी प्रमुख केंद्र रहा है।

कैलाश पर्वत एक विशालकाय पिरामिड है, जो 100 छोटे पिरामिडों का केंद्र है। कैलाश पर्वत की संरचना कम्पास के 4 बिंदुओं के समान है और एकांत स्थान पर स्थित है, जहां कोई भी बड़ा पर्वत नहीं है। ऐसा कहा जाता है की कैलाश पर्वत पर चढ़ना मना है, लेकिन 11वीं सदी में एक तिब्बती बौद्ध मिलारेपा ने इस पर चढ़ाई की थी। रूस के वैज्ञानिकों की रिपोर्ट यूएनस्पेशियल मैग्जीन के 2004 के जनवरी अंक में प्रकाशित हुई थी। हालांकि मिलारेपा ने इस बारे में कभी कुछ नहीं कहा इसलिए यह भी एक रहस्य है। बता दें कि कैलाश पर्वत की चार दिशाओं से चार नदियां निकलती हैं। ब्रह्मपुत्र, सतलज, सिंधु और करनाली। इन नदियों से ही गंगा, सरस्वती सहित चीन की अन्य नदियां भी निकलती हैं। कैलाश की चारों दिशाओं में विभिन्न जानवरों के मुंह हैं जिसमें से नदियों का उद्गम होता है। पूर्व में अश्वमुख है, पश्चिम में हाथी का, उत्तर में सिंह का, दक्षिण में मोर का मुंह है। हिमालय के मूल निवासियों का कहना है कि हिमालय पर यति मानव रहता है। कोई इसे भूरा भालू कहता है तो कोई इसे जंगली मानव। कुछ लोग इसे हिम मानव भी कहते हैं। यह धारणा प्रचलित है कि यह लोगों को मारकर खा जाता है। कुछ वैज्ञानिक इसे निंडरथल मानव मानते हैं। पूरी दुनिया में करीब 30 से ज्यादा वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि हिमालय के बर्फीले इलाकों में हिम मानव मौजूद हैं। अगर कोई कैलाश पर्वत की ओर जाता है तो लगातार एक आवाज सुनाई देती है। ध्यान से सुनने पर यह आवाज डमरू की आवाज जैसी लगती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि हों तो ये आवाज बर्फ के पिघलने की हो सकती है। यह भी हो सकता है कि प्रकाश और ध्वनि के बीच इस तरह का समागम होता है कि यहां से की आवाजें लगातार सुनाई देती हैं।

मेरी कोई इच्छा नहीं, चाहता हूं विपक्षी पार्टियां हों एकजुट : नीतीश

» फूलपुर से लोक सभा चुनाव लड़ने की अटकलों को किया खारिज

» विपक्ष एकजुट होगा तो आम चुनाव में आएंगे बेहतर नतीजे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि यूपी के फूलपुर लोक सभा क्षेत्र से उनके चुनाव लड़ने की बात बेकार की है। इस तरह की बात सुनकर आश्चर्य हुआ। उनकी केवल इस बात में दिलचस्पी है कि विपक्ष की एकजुटता होगी तो 2024 के लोक सभा चुनाव में बड़ी सफलता मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो समर्थक लोग हैं, वह बोलते रहते हैं। बगल में खड़े उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि मेरी रुचि नयी पीढ़ी के लिए काम करने में है। सारी दिलचस्पी देश के लिए है। मेरी अपनी कोई इच्छा नहीं। केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई काम तो हो नहीं रहा है। देश के हित में यह नहीं है कि समाज में टकराव पैदा कर दो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी कोई इच्छा नहीं है। मैं बस इतना चाहता हूं कि विपक्षी पार्टियां एकजुट होकर 2024 में लोक सभा का चुनाव लड़ेंगी तो नतीजे अच्छे आएंगे। लोगों के बीच विवाद न होता रहे। इस महीने की 25 तारीख को हरियाणा में हो रहे एक आयोजन में जाने के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके साथ तेजस्वी यादव भी उस आयोजन में शामिल होंगे।

गौरलतब है कि पिछले दिनों जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा था कि उत्तर प्रदेश के फूलपुर और मीरजापुर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लोक सभा चुनाव लड़ने का आफर मिला है। उन्होंने कहा कि ऐसे निमंत्रण देश के कई राज्यों से आए हैं। लेकिन लोक सभा चुनाव में अभी देरी है। सीएम नीतीश कुमार चुनाव लड़ेंगे या नहीं उसका फैसला वे खुद करेंगे।

उत्तराखंड कांग्रेस को झटका

विधायक मयूख महर ने पीसीसी से दिया इस्तीफा

» नवनिर्वाचित सदस्यों की सूची पर उठाए सवाल, पार्टी में हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। प्रदेश में सांगठनिक चुनाव के बूते स्वयं को मजबूत करने में जुटी कांग्रेस को पहले ही मोर्चे पर बड़ा झटका लगा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के नवनिर्वाचित सदस्यों की घोषित सूची विवादों में घिर गई है।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व नेता प्रतिपक्ष रहे प्रीतम सिंह के पुत्र अभिषेक सिंह और पिथौरागढ़ के विधायक मयूख महर ने पीसीसी की सदस्यता ठुकराते हुए त्यागपत्र दे दिया। सदस्य सूची पर सवाल खड़ा करते हुए दोनों नेताओं ने जिस तरह यह कदम उठाया है, उससे पार्टी में हड़कंप है। विधायक मयूख महर ने तो इस सूची को ही पद की बंदरबांट बता दिया। पीसीसी के नवनिर्वाचित 222 सदस्यों की सूची में प्रदेश के दिग्गज और बड़े नेताओं और उनके परिवार के सदस्यों का दबदबा है। पीसीसी के ये सदस्य ब्लाक इकाइयों से चुने गए हैं। कांग्रेस के 225 सांगठनिक ब्लाकों में से 222 सदस्यों की सूची तैयार की गई। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, उनके पुत्र आनंद सिंह व विधायक पुत्री अनुपमा रावत को स्थान मिला है। उनके कई समर्थकों व करीबियों को तरजीह दी गई। वहीं पूर्व मंत्री हरक सिंह और उनकी पुत्रवधू अनुकृति गुसाईं भी पीसीसी सदस्य बनने में सफल रही हैं।

लोगों को लड़ाकर सियासी रोटी सेंक रही भाजपा : हेमंत

» विकास के रास्ते पर चल रहा प्रदेश, शुरू की पेंशन योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धनबाद। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष षड्यंत्र रच रहा है लेकिन सफल नहीं हो रहा है। 1932 के खतियान पर स्थानीय व नियोजन नीति का प्रस्ताव पारित हुआ तो इनके पेट में दर्द होने लगा। कहने लगे कि हमने तो पहले ही कर दिया था मगर जान लें कि पहले ऐसा हुआ तो कई की जान गई। आज लोग अबीर-गुलाल लगा रहे। भाजपा के लोग हिंदू, मुस्लिम, सिख व ईसाई को लड़ाकर राजनीतिक रोटी सेंक रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एक साल से प्रदेश में विकास के काम हो रहे हैं। इनकी गति और तेज होगी। 20 साल में राज्य किस दिशा में जाएगा। इस पर योजना भी नहीं बनी थी। कर्मियों से सरकार काम ले रही थी, उनके दर्द पर मरहम नहीं लगाया जा रहा था। उनकी समस्याओं को दूर किया, पुरानी पेंशन

योजना शुरू की। सेविका-सहायिका का मानदेय बढ़ाया। शिक्षकों की समस्या दूर हुई है। अभी बहुत कुछ करना बाकी है। पूर्व की सरकारों के पास लक्ष्य ही नहीं था। अब काम कर रहे तो विपक्ष का माथा खराब है। पागलों की तरह हमला बोल रहा है। बैंकों को आदिवासी-मूलवासी विरोधी बताकर हेमंत ने कहा कि ये ऋण नहीं देते। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वजरोजगार योजना में बिना गारंटी पहले 50 हजार रुपये तक ऋण मिलता था, अब एक लाख रुपये मिलेंगे। स्वरोजगार कर अपने पैरों पर खड़े हों, बैंक को ठीक कर देंगे। आप करीबी लोगों को गारंटर बनाकर ऋण लीजिए। झारखंड देश का इकलौता राज्य है जहां सर्वजन पेंशन योजना शुरू की।

हिमाचल विधान सभा चुनाव

आम आदमी पार्टी ने जारी की प्रत्याशियों की पहली सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को हिमाचल विधान सभा चुनाव के लिए चार प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। भाजपा की धूमल सरकार में राजस्व मंत्री व पूर्व सांसद रहे डॉ. राजन सुशांत फतेहपुर, हिमाचल युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रहे मनीष ठाकुर पावंटा साहिब विधान सभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। वहीं, पूर्व में 2017 के विस चुनाव में भाजपा से टिकट की मांग करने वाले उमाकांत डोगरा नगरोटा बगवां और जिला परिषद सदस्य रहे सुदर्शन जस्पा को लाहौल-स्पीति से आप ने प्रत्याशी बनाया है।

हिमाचल में प्रत्याशी घोषित करने वाली आप पहली पार्टी बन गई है। चार बार भाजपा से विधायक रहे डॉ. सुशांत वर्ष 1982 में सबसे कम उम्र के विधायक बने थे। मनीष ठाकुर हिमाचल प्रदेश युकां अध्यक्ष और युकां के राष्ट्रीय महासचिव रहे हैं। सुदर्शन जस्पा हाल में आप में शामिल हुए हैं। वह वर्तमान में आप के लाहौल-स्पीति जिला प्रभारी हैं। उन्होंने 2017 में बतौर आजाद उम्मीदवार विधान सभा चुनाव लड़ा था।

रॉबर्ट वाड्रा की मुश्किलें बढ़ीं, शर्तों के उल्लंघन पर एफडी जब्त करने की चेतावनी

» कोर्ट ने जारी किया नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अदालत ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति व व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा के स्पष्टीकरण को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया कि वह इस साल अगस्त में एक चिकित्सा आपात स्थिति के लिए दुबई में रहे। अदालत ने वाड्रा को नोटिस जारी कर स्पष्ट करने का निर्देश दिया है कि तय शर्तों का उल्लंघन करने पर क्यों न उसके द्वारा जमा एफडी को जब्त कर लिया जाए।

राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश नीलोफर आबिदा परवीन ने वाड्रा को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए कहा, वे इस दावे को स्वीकार करने में असमर्थ हैं। कोर्ट ने कहा, 22 अगस्त को यात्रा कार्यक्रम और यात्रा टिकटों की प्रति से स्पष्ट है कि वाड्रा 25 अगस्त से 29 अगस्त तक दुबई में रहे व उसके बाद 29 अगस्त को लंदन की यात्रा की जबकि तय शर्तों में उन्हें दुबई नहीं रुकना था। वाड्रा को 12 अगस्त को चार सप्ताह के लिए संयुक्त अरब अमीरात, स्पेन और इटली के रास्ते ब्रिटेन जाने की

अनुमति दी गई थी। वह 25 अगस्त को संयुक्त अरब अमीरात के रास्ते यूके के लिए रवाना हुए और निर्धारित अवधि के भीतर 8 सितंबर को भारत लौट आए। यात्रा से पहले उन्होंने यात्रा के स्थानों उड़ान टिकटों और ठहरने के स्थानों के पते का पूरा विवरण देते हुए एक आवेदन के साथ एक वचन पत्र दाखिल किया। वाड्रा के वकीलों ने अदालत को बताया कि वाड्रा अपनी आगे की यात्रा शुरू करने से पहले यूएई में रहे क्योंकि उनके बाएं पैर में डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) था और उन्हें लंबी दूरी की उड़ानों के बीच उचित आराम करने की सलाह दी गई थी।

भ्रष्टाचार के आरोपी मंत्री क्यों नहीं होते बर्खास्त?

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी मंत्रिमंडल के कई मंत्रियों पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद के भ्रष्टाचार की कहानी हर जगह सुनायी पड़ रही है। खुद सीएम ने उनके ओएसडी के खिलाफ विजिलेंस जांच के आदेश दिए। एक मंत्री को अदालत ने सजा सुना दी। ऐसे मंत्रियों को बर्खास्त क्यों नहीं कर पा रहे योगी? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, सैयद कासिम, नावेद शिकोह, अनिल जयहिंद और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

सैयद कासिम ने कहा कि योगी ने पीडब्ल्यूडी के ओएसडी को हटा

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

दिया। वे नहीं चाहते थे कि जितिन प्रसाद मंत्री बने। वे दिल्ली के आशीर्वाद से मंत्री है। अब आका नहीं चाहते तो उनको हटा नहीं सकते।

नावेद शिकोह ने कहा कि जितिन के बारे में कहावत है कि कुछ जख्म ऐसे होते हैं, कुरेदते नहीं है इसलिए खबरें भी दब जाती है और सजा देनी भी है कैबिनेट में तो मुश्किल हो जाता है क्योंकि जब सजा दी जाती है तो साबित हो जाता है कि सरकार के अंदर भ्रष्टाचार है। डॉ. अनिल जयहिंद ने कहा कि भाजपा का नेता कमाई करता है तो वह सारी कमाई घर नहीं ले जा सकता। बाहर से आए नेता को सबसे मलाईदार पद दे दिया तो वो पद बिना बातचीत के नहीं दिया जा सकता। अंदरूनी लड़ाईयां सामने आ रही है पर जितिन का होना कुछ नहीं है।

अशोक वानखेड़े ने कहा कि ओएसडी क्रेडिट कार्ड होते हैं। मतलब चाहे जहां आप रहो, वहां आप जरूरतभर का इस्तेमाल करो एटीएम की तरह। जब आप सत्ता में आते हो तो वह सरकारी खर्चे पे आपकी सेवा करता है बाहर रहकर भी करता है। जब भाजपा किसी को लाती है तो डील होती है।

चुनाव लड़ने के लिए सोनिया-राहुल से अनुमति की जरूरत नहीं : जयराम रमेश

» देश की किसी भी पार्टी में अध्यक्ष चुनने के लिए चुनाव नहीं कराए जाते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए होने वाले चुनाव को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं। अध्यक्ष पद की रेस में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस नेता शशि थरूर का नाम सामने आ रहा है। हालांकि उम्मीदवार के नाम का एलान नहीं किया गया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए सोनिया गांधी या फिर राहुल गांधी से इजाजत लेने की जरूरत नहीं है। जयराम रमेश ने कहा कि चुनाव लड़ने के लिए कोई भी स्वतंत्र है। चुनाव लड़ने के

लिए 10 पीसीसी प्रतिनिधियों का समर्थन होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि किसी को भी पर्चा दाखिल करने के लिए राहुल गांधी या अध्यक्ष की अनुमति की जरूरत नहीं है। चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से होंगे। जयराम ने आगे कहा कि देश की किसी भी पार्टी में अध्यक्ष चुनने के लिए चुनाव नहीं कराए जाते।

कांग्रेस के केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्यों से मिलने पार्टी कार्यालय पहुंचे शशि थरूर

कांग्रेस से अध्यक्ष पद के उम्मीदवारी की चर्चा के बीच शशि थरूर पार्टी कार्यालय पहुंचे हैं। शशि थरूर अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर नामांकन पत्र दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं। इस बीच, अध्यक्ष पद के अन्य संभावित उम्मीदवार राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी दिल्ली पहुंचे हुए हैं। शशि थरूर अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर नामांकन पत्र दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी बुधवार को दिल्ली पहुंचे और कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करने की संभावना है। इसके बाद उनके राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने की उम्मीद है। अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर गहलोत ने कहा कि हर कोई एक मजबूत कांग्रेस चाहता है और सभी दलों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करना चाहिए। पार्टी

में चुनाव सभी कांग्रेस सदस्यों के लिए खुले हैं। गहलोत ने मंगलवार रात राजस्थान पार्टी के विधायकों को संबोधित किया और पार्टी के शीर्ष पद के लिए नामांकन के लिए जाने का संकेत दिया।

भाजपा का दामन थाम सकते हैं दिलप्रीत सिंह

» शहर कांग्रेस अध्यक्ष के पद से दिया था इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहर कांग्रेस अध्यक्ष दिलप्रीत सिंह के इस्तीफे के बाद उनकी भाजपा में जाने की अटकलें तेज हो गई हैं। कहा जा रहा है कि अगर जल्द ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने उनकी मागों पर गौर नहीं किया तो दिलप्रीत भाजपा का दामन थाम सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो आगे निकाय चुनावों में कांग्रेस की मुसीबतें बढ सकती हैं।

सोमवार को दिलप्रीत सिंह ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी से नाराजगी के बाद अपना इस्तीफा प्रदेश कांग्रेस सह प्रभारी धीरज गुर्जर को भेजा था। कहा जा रहा है कि दिलप्रीत सिंह अपने कुछ लोगों को प्रदेश कांग्रेस कमेटी में शामिल कराना चाहते थे। कई दिनों से यूपी कांग्रेस के बड़े नेताओं के संपर्क में थे, लेकिन बात नहीं बनी। आखिरकार दिलप्रीत ने दबाव बनाने के लिए इस्तीफे का कार्ड फेंका। चर्चा है कि दिलप्रीत एक मंत्री के संपर्क में है।

जेलर को धमकाने के मामले में मुख्तार को दो साल की सजा

» और बढ़ती जा रही माफिया मुख्तार अंसारी की मुश्किलें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। माफिया मुख्तार अंसारी की मुश्किलें और बढ़ती जा रही हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राजधानी के आलमबाग थाने के एक आपराधिक मामले में माफिया मुख्तार अंसारी को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने उसे दो साल कारावास की सजा सुनाई है। यह निर्णय न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह की एकल पीठ ने राज्य सरकार की अपील को मंजूर करते हुए पारित किया।

वर्ष 2003 में तत्कालीन जेलर एसके अवस्थी ने थाना आलमबाग में मुख्तार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। जिसके अनुसार जेल में मुख्तार अंसारी से मिलने आए लोगों की तलाशी लेने का आदेश देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी।

साथ ही उनके साथ गाली गलौज करते हुए मुख्तार ने उन पर पिस्तौल भी तान दी थी। इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने मुख्तार को बरी कर दिया था, जिसके खिलाफ सरकार ने अपील दाखिल की थी।

आजम खां की जौहर यूनिवर्सिटी से मिली मदरसा आलिया से चोरी की गई अलमारी

» दीवार में चुनवा दी गई थी, पुलिस ने की बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। सपा विधायक आजम खां की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। बीते दो दिन से आजम खां की मुहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी में पुलिस टीम जांच पड़ताल कर रही है, जिसमें रामपुर नगर पालिका की सफाई मशीनें, मदरसा आलिया से चोरी किताबें जौहर यूनिवर्सिटी से बरामद हो चुकी हैं। अब मदरसा आलिया से चोरी हुई अलमारी भी बरामद हुई है।

मदरसा आलिया से चोरी की गई किताबों की अलमारी भी जौहर यूनिवर्सिटी के मेडिकल कालेज से बरामद कर ली गई है। विधायक अब्दुल्ला आजम के दोस्त अनवार और सालिम सलीम को पुलिस ने बुधवार सुबह रिमांड पर लेने के बाद पूछताछ की। इनकी निशानदेही पर जौहर यूनिवर्सिटी के मेडिकल कालेज से एक

अलमारी बरामद की गई। इसी अलमारी में मदरसा आलिया की किताबें रखी थीं, जो चोरी कर ली गई थी। सीओ सिटी अनुज चौधरी ने बताया कि दो और लोगों को भी पूछताछ के लिए पकड़ा गया है। उन्होंने भी इस अलमारी को मदरसा आलिया की बताया है। दूसरी और पालिका अध्यक्ष फात्मा जबी और पालिका कर्मचारी अखलाक व उसके साले जुनेद के खिलाफ भी पालिका के अभिलेखों को जलाने के आरोप में शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज हो गया है। यह मुकदमा अधिशासी अधिकारी इंदु शेखर मिश्रा ने मंगलवार की रात दर्ज कराया है। पुलिस ने तीन दिन पहले जौहर यूनिवर्सिटी से सफाई मशीन बरामद की थी, जो जमीन में दबी हुई थी। इस मामले में पुलिस ने पालिका का लेखा कार्यालय भी सील कर दिया गया था।

लखनऊ समेत यूपी के 9 जिलों में अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में लखनऊ समेत पश्चिमी जिलों में बारिश के आसार हैं। लखनऊ में बुधवार को दोपहर बाद कई इलाकों में बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार मॉनसूनी हवाएं यूपी-एमपी के पास से गुजर रही हैं। इस वजह से लखनऊ समेत पश्चिमी यूपी के 9 जिलों में हल्की से तेज बारिश हो सकती है।

अमौसी स्थित मौसम केंद्र के अनुसार अगले पांच दिनों तक यूपी में लखनऊ कानपुर समेत कई इलाकों में सामान्य से लेकर भारी बारिश के आसार हैं। अन्य स्थानों पर भी बादलों की आवाजाही लगी रहेगी। देर रात से शुरू हुई बारिश बुधवार को बजे तक जारी रही। बारिश से जगह-जगह जलभराव हो गया, लोग घरों में कैद हो गए। बारिश की वजह से तिलहन बुआई का कार्य भी थम गया, हालांकि बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया।

कातिलों को दिलाएंगे सजा : निरहुआ

युवक की हत्या पर पीड़ित परिजनों से मिले आजमगढ़ सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ के हरिहरपुर घराने के आदर्श मिश्रा की देर शाम गोली मारकर हत्या कर दी गई। इससे नाराज हरिहरपुर घराने के लोगों ने भाजपा सांसद को बुलाने के लिए कहा। सांसद दिनेश लाल यादव देर रात अस्पताल और पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। घायल युवक और उनके परिजनों से मुलाकात की।

परिजनों को सांत्वना दी। इस मामले एसपी अनुराग आर्य को हत्यारों को जल्दी पकड़ने के लिए कहा। एसपी ने चार टीम बनाई हैं। देर रात्रि अस्पताल पहुंचे भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ का कहना है कि आज के समय में कोई ऐसे किसी को गोली मारता है क्या। घटना को लेकर जिले के एसपी

अनुराग आर्य और डीएम विशाल भारद्वाज से बात की गई है। घटना के आरोपियों को पकड़कर पूछताछ की जाएगी तो घटना के कारणों का पता चल सकेगा। भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ का कहना है कि निश्चित रूप से घटना में शामिल जो भी आरोपी हैं इन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों को पकड़ने के बाद ही मामले का खुलासा हो सकेगा। मृतक के पिता

दोषियों पर लगेगा गैंगस्टर जब्त होगी संपत्ति: एसपी

एसपी अनुराग आर्य ने इस मामले में अभी दो लोगों को हिरासत में लेने की बात कही है। एसपी अनुराग आर्य का कहना है कि परिजनों से वार्ता कर ली गई है। परिजनों की तहरीर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। एसपी का कहना है कि घटना में शामिल आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के साथ इनकी संपत्ति भी जब्त की जाएगी। इसके साथ रासुका की भी कार्रवाई की जाएगी। घटना के खुलासे के लिए चार टीमों का गठन कर दिया गया है, जिससे घटना का जल्द से जल्द खुलासा किया जा सके। गांव के लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस की है।

और बेटा दोनों संगीत से जुड़े हुए थे। चार अगस्त को जिले के दौरे पर आए मुख्यमंत्री ने हरिहरपुर में मृतक युवक को सम्मानित भी किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।